Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan

Vol - 7 # Issue - 2

News Letter

April 2017 to June 2017

Parivartan

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान एक गैर सरकारी संस्थान है जो कि पिछले 25 वर्षो से सफलतापूर्वक समाजिक मुद्दों पर कार्य करती आ रही है। संस्थान महिला हिंसा, महिला सशक्तिकरण स्वयं सहायता समूह, कौशल विकास प्रशिक्षण, पाठशाला, पर्यावरण, स्वास्थ्य जैसे सामाजिक मुद्दों पर कार्य कर रही हैं। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा अप्रेल - मई - जून माह में किये गये सामाजिक कार्यो का विवरण इस न्यूज लेटर में निम्न प्रकार से है -

1.1 **महिला स्वयं सहायता समूह :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान महिलाओं को सशक्त बनाने व उनको आर्थिक रूप से मजबुत करने के लिए महिला स्वयं सहायता समूह का गठन करती हैं। इस त्रिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा पंचायत समिति पीसांगन के दुर्गम गांवों में 682 ग्रामीण महिलाओं का चयन करके 63 स्वयं सहायता समूह का गठन किया। ये सभी महिलाएँ गरीब वर्ग से थी अत: समूह को बैंक से जोड कर उन्हें कम ब्याज दर पर लोन दिया गया। अब तक इस त्रिमाही में 63 स्वयं सहायता समूह को एक करोड़ से अधिक का लोन बैंक द्वारा दिया जा चुका है। सभी महिलाएँ अपनी किस्त व बचत समय समय पर बैंक में जमा करती है। इस लोन से महिलाओं को काफी फायदा मिला है और अब वह खुद का रोजगार करने में समर्थ है। समय समय पर जा कर संस्थान कार्यकर्ता सभी समूह की मासिक बैठक लेते है जिससे सभी महिलाओं के विचार विमर्श व समस्या पर चर्चा होती

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan

Vol - 7 # Issue - 2

News Letter

April 2017 to June 2017

Parivartan

है और उनका समाधान किया जाता है। समूह को बैठक के दौरान अन्य लाभकारी सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दि जाती है जिससे उन्हें काफी सहायता मिलती है और व उन योजनाओं का लाभ उठा पाती है।

1.2 **कौशल विकाय कार्यक्रम** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वरोजगार बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण खोलती है। महिलाएँ ये हुनर सिख कर स्वयं का रोजगार शुरू करती है राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा भगवानगंज क्षेत्र की 25 महिलाओं के लिए हैण्डीक्राफट् प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में महिलाएँ नियमित रूप से प्रति दिन 5 घण्टें हस्तकला से बने सजावटी समान जैसे डोरबेल, बान्दनवाड, कि-चेन, लटकन, पूजा थाल, घण्टी, फोटोफ्रेम, सिंदूर दानी, रंगोली आदि बनाना सिख रही है।

1.3 पीसांगन समिति के दुर्गम गॉव भगवानपुरा नाडी में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा सिलाई प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। 5 माह कि इस ट्रेंनिग में 30 वंछित समुदाय की महिलाओं को सिलाई की सभी कलाएँ सिखाई जा रही है। इस सिलाई प्रशिक्षण में महिलाओं को लंहगा, फ्रॉक केपरी, सलवार सुट, पटियाला सूट, राजस्थानी ड्रेस, राजपुताना, परिधान, ब्लाउज की नई नई डिजाईन, आदि प्रकार के वस्त्र सिलना सिखाये जा रहे है। कुछ महिलाएँ प्रशिक्षण के दौरान ही अपने परिवार व आस पास की महिलाओं के कपडे सिल रही है और सिलाई कार्य की अपनी आय के स्त्रोत बना रही हैं

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

1.4 आज के समय में सभी महिलाओं को फैंन्सी बेग पसन्द है अतः राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा माखुपुरा क्षेत्र में 30 महिलाओं को फैन्सी डिजाइनर बेग मैंकिग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ३ माह के बेग मेंकिग प्रशिक्षण में महिलाओं ने नियमित 5 घण्टें ट्रैनिंग दि जाती है और लेदर, रेगजीन जूट कैनवास, पैरासूट, कपडे आदि के डिजाईन दार बेग सिखाये जा रहे है। महिलाऐं मन लगा कर प्रशिक्षण लेती है और खुद भी बेग बना कर बेचती है।

1.5 इसी प्रकार राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा खानपुरा क्षेत्र में ब्यूटि पार्लर व्यवसायिक प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 30 महिलाऐं व लडकियॉं नियमित 5 घण्टें से अधिक सोन्दर्य व रूप निखार की ट्रैनिंग लेती हैं। 4 माह के ब्यूटि पार्लर प्रशिक्षण में महिलाओं को सौन्दर्य की सभी बारीकियॉं सिखाई जा रही है। जैसे फेशियल, आई ब्रों, मेहन्दि, हेयर कट, दुल्हन मेकअप, मेनिक्योर - पेडिक्योर, मसाज, वेक्सिंग , मेकअप आदि।

1.6 राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा इस वर्ष नई पहल करते हुए पुरूषों के कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। गॉव राजगढ में रहने वाले बेरोजगार 30 बच्चों व लडकों को 3 माह का इलैक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण कराया। इस प्रशिक्षण में लडकों को घर की पूरी वाईडिंग, मोटर, पंखों की वाइडिंग, सर्किट बोर्ड, घरों का अर्थ व 2 फेस व 3 फेस आदि के बारे में सिखाया जा रहा है। सभी लडके मन लगा कर इस प्रशिक्षण का फायदा उठा रहे है और निकट भविष्य में खुद का रोजगार स्थापित करेंगें।

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan

Vol - 7 # Issue - 2

News Letter

April 2017 to June 2017

Parivartan

2. वृक्षारोपण :-

2.1 पर्यावरण :- आज के युग में पर्यावरण सुरक्षा एक गम्भीर समस्या है जिसके ऊपर राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान नियमित रूप से कार्य कर रही है। संस्थान द्वारा अलग - अलग कार्यक्रम के दौरान स्कूलों, सडक किनारो, पार्क, मन्दिरों, घरों के किनारे आदि स्थानों पर 150 से अधिक फलदार व छायादान वृक्ष लगाकर पर्यावरण को हराभरा बनाया। लगाये गये वृक्षों की सुरक्षा के लिए ट्रि गार्ड लगायें जिससे वृक्षों को जानवरों से सुरक्षित बनाया जायें। संस्थान द्वारा समय समय पर जा कर सभी वृक्षों की खाद्य पानी व छटाई के कार्य भी किया जा रहा है ताकि वृक्ष जल्दी एक छायादार वृक्ष का रूप ले सके। संस्थान कि इस पहल से प्रभावित हो कर आस - पास के निवासियों ने भी वृक्षारोपण का कार्य शुरू कर दिया है।

2.2 **सेव स्पेरॉअ** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम ''आसरा'' (सेव स्पेरॉअ) में इस त्रिमाही में 90 से अधिक इको फ्रेडंली चिडीया के घौसंले लगाये गये। ये घौसलें वृक्षों पर, घरों में, मन्दिरों में, उद्यान आदि स्थानों पर लगायें गये। इस अभियान का असर अब देखने को मिल रहा है। इस क्षेत्रों में गौरैया चिडिया की संख्या में वृद्धि हुई है और साथ ही पर्यावरण भी इन नन्हीं चिडिया की गुंज से चहक उठा हैं।

2.3 **स्टॉप वॉयलेंस** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान पिछले कई वर्षो से प्रभावी रूप से महिला हिंसा, लैंगिक समानता, कन्या, भ्रुण हत्या, बाल विवाह, दहेज उत्पीडन, आदि सामाजिक कुरीतियों को रोकने व इसके प्रति जन समुदाय को जागरूक करने का कार्य करती आ रही है। इन त्रिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान निम्न कार्य किये गयें।

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan

Vol - 7 # Issue - 2

News Letter

April 2017 to June 2017

Parivartan

2.4 **कार्यशाला व हस्ताक्षर अभियान :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा किसान भवन में महिला हिंसा के प्रति जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में महिलाओं के अधिकारों की जानकारी दी गई और महिला हिंसा होने या आस - पास पाये जाने पर करने वाली कार्यवाही की भी जानकारी दि गई। इस कार्यशाला से सभी महिलाएँ जागरूक बनी व हिंसा को रोकने का प्रण लिया। कार्यशाला के अन्तिक दौर में महिलाओं ने हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से संदेश दिया गया की वह न तो हिंसा सहेगी और न ही हिंसा होने देगी।

2.5 इसी प्रकार का एक कार्यक्रम गॉव लामाना में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक ग्रामीण महिला उपस्थित थी और सभी ने अपने अधिकारों को पहचाना। आज वो सभी महिला जागरूक बन गई है और अपने आस पास की महिलाओं को भी जागरूक करने का कार्य कर रही हैं कार्यक्रम के अंत में ग्रामीण जन समुदाय की महिला हिंसा के प्रति जागरूक बनाने के लिए जन रैली निकाली गई जिसमें महिलाओं ने नारे लगा कर अपनी बात समाज के सामने रखी।

2.6 सेल्फी विथ मैसेज :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान के इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यकर्ता जगह - जगह जा कर महिलाओं की सेल्फी के साथ फोटों लेते है। जो कि समाज को एक संदेश देती हैं।

2.7 शिक्षण सामग्री वितरण :- सभी बच्चों के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है। अत: आवश्यक है कि सभी बच्चों को समान शिक्षा मिले परन्तु

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

कुछ गरीब व दलीत व दुर्गम ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाती। शिक्षण सामाग्री के अभाव में उनका भविष्य अन्धकार में चला जाता है। अत: राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने बरना गॉव के सरकारी स्कूल में पढने वाले गरीब बच्चों को शिक्षा सामाग्री बांटी संस्थान द्वारा 205 बच्चों को स्कूल ड्रेस जूते मोजे, किताब, कॉपी, पेन, पेन्सिल, रबर, स्केल, ज्योमेट्री, कलर सेट, नोट बुक, ड्रांइग बुक, आदि बॉटे गये। ये सभी सामाग्री पा कर बच्चें खुशी से झुमने लगे।

इसी प्रकार का शिक्षण सामाग्री वितरण का कार्यकम अजमेर शहर के रामगंज बालिका सरकारी स्कूल में किया गया। बालिकाओं के अंग्रेजी ज्ञान में वृद्धि के लिए 30 बालिकाओं को इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स बुक बांटी गई, जिसके माध्यम से वो अपनी इंग्लिष मजबूत कर सकती थी।

3. शिक्षा :-

3.1 **उडान :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान की अनोखी पहल से "उडान" नाम से एक स्कूल खोली गई। इस स्कूल में अनपढ महिलाओं को साक्षर किया जाता है। उन्हें लिखना पढना व बोलना सिखाया जाता है जिसे वह दैनिक कार्य सुविधा से कर पा रही है। उडान में 15 महिलाओं ने अपना नाम लिखाया है जो कि सरलता से दैनिक अखबार व हिसाब कर लेती है। संस्थान की निकट भविष्य में योजना है कि उन्हें जिला स्तरीय

आठवीं कक्षा की परीक्षा दिला कर अंकतालिका दि जाये जिसके लिए संस्थान व अध्यापिका कठिन मेहनत कर रहे है। अब उडान स्कूल में और महिलाओं ने भी अपनी रूची से नाम लिखाया है और आगे पढने के लिए मेहनत व लगन से पढाई कर रही है।

3.2 **पाठशाला :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गरीब व असहाय बच्चों के लिए नि:शुल्क स्कूल "पाठशाला" चलाई जा रही है। इस पाठशाला में बच्चें को

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

किताबी ज्ञान दिया जाता है। गॉव कंवलाई में चलाई जा रही पाठाशाला में 30 गरीब बच्चों ने अपना नाम लिखाया। इन सभी बच्चों को नि:शुल्क पढाई कराई जाती है। प्रति दिन नियमित रूप से 5 घण्टे सभी विषय बच्चों को पढाये जाते है। गॉव सराधना व भांवता में भी इसी प्रकार से पाठशाला चलाई जा रही है जिससें बच्चे

मन लगा कर अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। पाठशाला में बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ साथ ज्ञान वर्द्धक खेल खिला कर उनका मानसिक विकास भी किया जाता है जिससे सभी बच्चें मन लगा कर और रूचि के साथ अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। समय - समय पर सभी बच्चों कि परीक्षा ली जाती है और अच्छा प्रर्दशन करने वाले बच्चें को ईनाम भी दिया जाता है।

3.3 **उद्यमिता विकास कार्यक्रम एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा चलाई गई कौशल विकास प्रशिक्षण के सभी ट्रैनिस को प्रशिक्षण के अन्त में 5 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम व अन्त में प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इस त्रिमाही में यह कार्यक्रम किसान भवन में आयोजित किया गया। ५ दिवसयी इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम व सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम में 60 महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। इस ट्रैनिं में उन्हें सफल उद्यमिता के गुर सिखायें गये व साथ ही प्रजेन्टेशन रोल प्ले, ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से व्यवसाय का ज्ञान सिखाया ताकि वह सफल उद्यमिता बन सके। ट्रैनिंग के अन्तिम दिन सभी महिलाओं को सर्टिफिकेट दिया गया। यह सर्टिफिकेट उन्हें अच्छी जॉब दिलाने या आगे स्वरोजगार दिलाने में सहायक है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दौरान कई महिलाएँ अपने स्तर पर खुद का रोजगार कर रही थी अत: उन्होंने अपने विचार व अनुभव साझा किये जिस अन्य महिलाओं का भी उत्साहवर्धन मिला।

4. **स्वास्थ्य** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान गम्भीरता पूर्वक स्वस्थ्य पर कार्य कर रही है और समय समय पर संस्थान द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस त्रिमाही में हुए स्वास्थ्य कार्य निम्न प्रकार से है

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

4.1 **सेनेट्री नेपकिन वितरण** :- महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान सेनेट्री नेपकिन का वितरण किया गया। महिलाओं व बालिकाओं का मासिक धर्म स्वच्छ व सुरक्षित रहे इसके लिए संस्थान द्वारा राजकिय बालिका विद्यालय में 140 बालिकाओं को 265 सेनेट्री पेड बॉटे गये जिसकी सहायता से व अपने मासिक धर्म को सुरक्षित बना सकती है। कई महिलाएँ मासिक धर्म के दौरान कपडा, रूई व अखबार का प्रयोग करती है। जिससे संक्रमण होने खतरा रहता है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान की इस मुहिम से महिलाएँ जागरूक बन रही है और सेनेट्रि पेड के प्रयोग पर बल दे रही है।

4.2 **टी.बी. मरीजों को प्रोटिन युक्त खाद्य पदार्थ वितरण** :- राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा टी.बी. मरीजों को नि:शुल्क प्रोटिन युक्त खाद्य सामग्री से उनके स्वास्थ्य में जल्दी ठीक होगा और उन्हे रोग से लडने के लिए प्रतिरोधक क्षमता भी मिलेगी। इस त्रिमाही में 30 टी.बी. मरीजों को अण्डे, प्रोटिनेक्स के डिब्बें, सोयाबीन दाल, मूँग दाल, चना दाल, मूंगफली, प्रोटीन बार आदि का वितरण किया। अब इन मरीजों के स्वास्थ्य में तेजी से इजाफा देखने को मिल रहा है।

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

5. सामाजिक कार्य

5.1 **स्ट्रीट चाइल्ड :-** सडक किनारे या झुग्गी व कच्ची बस्ती में रहने वाले गरीब व बेसहारा बच्चों को राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा पौष्टिक खाद्य सामाग्री का वितरण किया जाता है। शहर के पर्बतपूरा बाईपास, एनएच-8 के किनारे व मदार स्थित गरीब कच्ची बस्ती में रहने वाले 200 से अधिक बच्चों को संस्थान द्वारा नई ड्रेस, खिलौने, चॉकलेट, बिस्कुट, रूल पेस्ट्री, चिप्स, कुरकुरे आदि बांटे गये। सभी बच्चे ये चिजे पा कर

बेहद खुश हो उठे और झुमने लगे। सभी बच्चों ने मेजे से सभी खाद्य सामग्री का लुफत उठाया।

5.2 संयुक्त देयता समूह :- ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार बैठे पुरूषों को राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा समूह बनाया जाता है जिससे उन्हें बैंक से जोड कर वित्तिय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। बैंक से मिले ऋण से वह स्वयं का रोजगार स्थापित कर पाते है और साथ ही स्वरोजगार की और एक कदम बढते है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा बनाये गये सभी संयुक्त देयता समूह की समय - समय पर बैठक ली जाती है और उनके द्वारा किये जा रहे कार्य के बारे में चर्चा की जाती है। सभी संयुक्त देयता समूह के पुरूषों के जीवन में अब एक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। जिससे वह बेहद खुश है।

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan
Vol - 7 # Issue - 2
News Letter
April 2017 to June 2017
Parivartan

5.3 **प्रर्दशनी एवं हाट बाजार :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा इस त्रिमाही कौशल विकास प्रशिक्षण ले रही महिलाओं के लिए प्रर्दशनी एवं हाट बाजार को आयोजन किया गया। माखुपुरा क्षेत्र में फैसी बेग की राजगढ गांव में तथा अर्जुनपुरा खालसा गॉव में सिलाई की प्रर्दशनी लगाई गई। प्रशिक्षण के दौरान बनने वाले उत्पादों को महिला प्रर्दशनी में बेचती है। जिसे उन्हें व्यापार का अनुभव मिलता है। साथ ही अपने उत्पाद को बेचने का कौशल भी प्राप्त होता है। संस्थान द्वारा लगाई गयी तीनों प्रर्दशनी में तीन 23 हजार रूपये से अधिक का माल बेचा गया। इन पैसो का उपयोग प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढाने के लिए किया जाता है। इस प्रर्दशनी से महिलाओं को काफी अनुभव मिला है। उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि देखने को मिली है।

5.4 **पार्टनरर्स विजिट इन RSKS फिल्ड :-** समय समय पर राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो की गुणवत्ता के प्रशिक्षण के लिए विजिट आती रहती है। इस त्रिमाही में ग्लोबल गिविंग फाउण्डेशन से आये आइशिक शाह व FVTRS से आये हुए सी.पी.निकोलस व अस्मिता ने सभी कौशल विकास प्रशिक्षणों की गुणवत्ता की जांच कि और साथ ही पूर्व में चलाये गये प्रशिक्षण में कार्य कर रही महिलाओं से भी बातचीत की। और उनके कार्य के बारे में पुछा। सभी विजिटरों ने कौशल विकास की गुणवत्ता व इसके स्तर की सरहाना की व राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान को अच्छा फीडबैक दिया।

5.5 **सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम :-** राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गरीब तलाकशुदा, सिंगल मदर, विकलांग, विधवा, महिलाओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए कि जाती है। इन त्रिमाही में 20 महिलाओं को भिन्न भिन्न क्षेत्रों में सिलाई मशीन वितरित की गई। ये महिलाएं सिलाई जानती थी परन्तु आर्थिक तंगी के कारण सिलाई मशीन नहीं खरीद पाती। आज वे बेहद खुश है क्योकि अब उनके पास स्वयं की सिलाई मशीन है और घर बैठे ही सिलाई के माध्यम से पैसे कमा सकती है।